वारण्ट कुर्की माल मनकुला

(आ.21 रू. 30 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत.....मुकाम.....

.....बनाम.....

....

डिक्री बाबत.....

मुकद्दमा नंबर.....सन.....

बनाम तामिल कुनिंदा.....

चूँकि व मुकद्दमें दीवानी नंबर.....सन.....अजरूए डिक्री अदालत.....

मकर्खा.....माह.....मुसम्मी.....वल्द.....

कौम.....साकिन.....को हुकम हुआ था कि मुद्दे को मुबलिग़.....

रूपये हस्ब तफसील मुम्दजे हाशिया अदा करें और चूँकि मुबलिग़( ) रूपये अदा नहीं किये गये लिहाजा बजरिये इस तहरीर से आपको हुक्म होता है की मजकूर को जायदाद मनकूला मुन्देज

किराया	रूपये	पैसे
असल सूद खर्चा खर्चा ईजराय वाजीब सूद		

फहरिस्त मूल्सलक या जो आपको बताये कुर्क करो और जब तक कि मदयून मजकूर आपको रकम मजकूर मूबलिग) रूपये मय) खर्चा इन कुर्की का अदा ण करे उस माल को तो हुक्मसानी इस अदालत के आप अख्तियार में रखें |

और आपको यह भी हुक्म दिया जाता है की इस वारण्ट की तारीख.....मास..... सन..... यह इससे पहले मय तहरीर जुहरी व तस्दीक इस अमर के किस तारीख को व किस तरह पर इसकी तामील हुई का किस वजह से इसके नहीं हो सकी वापिस करो |

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से आज तारीख.....मास.....सन..... को जारी किया गया |

मोहर

दस्तखत
ओहदा

फहरिश्त मुश्त पाए देखा